विचार बिन्दु

मूर्ख आदमी अपने बड़े से बड़े दोष अनदेखा करता है,
किन्तु दूसरे के छोटे से छोटे दोष को देखता है। –संस्कृत सूक्ति

गरीबी दूर करने के लिए शिक्षा की अनिवार्यता

शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति ज्ञान, कौशल, मूल्य, और व्यवहार सीखते हैं, जो उनके बौद्धिक, नैतिक, और शारीरिक विकास को बढ़ाते हैं। यह व्यक्तियों को समाज में सक्रिय और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करती है, नवीन विचार और प्रौद्योगिकी सीखने के अवसर प्रदान करती है, और इस प्रकार जीवन में सफलता प्राप्त करने में सहायक होती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान को रटना नहीं, बल्कि विश्लेषणात्मक समझ और क्रिटिकल थिंकिंग के कौशल का विकास करना है, जो व्यक्तियों को जानकारी का उपयोग कर समस्याओं का समाधान करने और जीवन में उन्नति करने में सक्षम बनाता है।

आइए देखें कि विश्व भर में उच्च शिक्षा और गरीबी के बीच संबंध कैसे हैं। जैसे, स्कैंडिनेवियाई देशों में जहां शिक्षा का स्तर उच्च है, वहाँ गरीबी अत्यंत कम है। ये देश शिक्षा में भारी निवेश करते हैं और शिक्षा सभी के लिए सुलभ है। इसके विपरीत, अफ्रीकी महाद्वीप के कई देशों में शिक्षा की पहुँच सीमित है और गुणवत्ता कम है, जिससे ये देश गरीबी में डूबे हुए हैं। इससे स्पष्ट है कि शिक्षा का स्तर और गरीबी के बीच सीधा संबंध है।

पढ़े-लिखे लोग स्वयं को गरीबी से बाहर कैसे कर लेते हैं और गरीबी से मुक्त होकर पुनः वापस गरीबी में गिरने से बचने में अधिक सक्षम और समर्थ कैसे रहते हैं? वस्तुतः इस मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन को समझने के लिए इस विषय पर वर्ष 2024 तक 33,232 शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इस विषय पर 700 से अधिक शोधपत्र ऐसे हैं जिनके शीर्षक में शिक्षा और गरीबी का सन्दर्भ है। आइये देखते हैं, शिक्षा किस प्रक्रिया से गरीबी दूर करती है और पुनः गरीबी में गिरने से बचाती है।

शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति को न केवल बेहतर रोजगार मिलते हैं, बल्कि यह उन्हें समाज में सक्रिय और जागरूक नागरिक बनने में भी सहायक होती है। वर्ष 2024 में 38 देशों के आंकड़ों के आधार पर प्रकाशित एक शोध के अनुसार, उच्च शिक्षा का प्रचार-प्रसार न केवल समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देता है बल्कि आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन में भी सहायक होता है। विश्व बैंक के अनुसार, शिक्षित व्यक्ति उच्च आय वाली नौकरियों के लिए योग्य होते हैं और उनके पास बेहतर स्वास्थ्य और जीवन स्तर तक पहुँच होती है, जिससे समाज के समग्र विकास में योगदान मिलता है।

अध्ययन यह भी बताता है कि उच्च शिक्षा का प्रचार-प्रसार शैक्षिक विकास और वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी नवाचार को प्रोत्साहित करता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था पर गहरा धनात्मक प्रभाव पड़ता है। स्वाभाविक है सरकारों को उच्चकोटि की विद्यालयीन शिक्षा के साथ ही उच्च-शिक्षा के प्रसार पर ध्यान देना चाहिए ताकि देश के आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन दोनों को बढ़ावा मिल सके। यूनेस्को की रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष जो किसी व्यक्ति ने स्कूल में बिताया है, उससे उसकी औसत आय में 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है। इससे न केवल व्यक्तिगत आय में सुधार होता है, बल्कि यह राष्ट्रीय आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देता है। शिक्षा से लोगों को बेहतर रोजगार पाने, उद्यिमता की ओर बढ़ने और आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने की क्षमता मिलती है।

चीन में वर्ष 2024 में प्रकाशित एक अध्ययन शिक्षा और सापेक्ष गरीबी के मध्य रिश्तों के साथ ही शिक्षा और सापेक्ष गरीबी के अंतर-पीढ़ीगत संचरण में कमी पर किया गया। इसके निष्कर्ष स्पष्ट करते हैं कि जैसे-जैसे बच्चों की अनिवार्य शिक्षा की अवधि एक सेमेस्टर से बढ़ती है, उनके सापेक्ष गरीबी का अनुभव करने की संभावना 6-8 प्रतिशत तक कम हो जाती है। सापेक्ष गरीबी के अंतर-पीढ़ीगत संचरण को शिक्षा ही रोक सकती है।

यहां आपको याद रखना चाहिए कि शिक्षा भले ही गरीबी मिटाने के लिए जरूरी हो, पर गरीबी खुद शिक्षा प्राप्त करने में एक बड़ी बाधा है। गरीबी से जुड़ी चुनौतियाँ शैक्षिक उपलब्धियों में असमानता बढ़ाती हैं, जो बाद में आय, स्वास्थ्य और खुशहाली में भी असमानता का कारण बनती हैं। स्कूल सीधे तौर पर गरीबी का मुकाबला तो नहीं कर सकते, पर वे गरीबी के कलंक से निपटने और स्कूली शिक्षा को अधिक समान बनाने की नीतियाँ लागू कर सकते हैं। सरकारों को भी हर बच्चे को उनकी पसंद के विद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने के लिए जरूरी संसाधन मुहैया कराने चाहिए। इसके अलावा, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और शिक्षकों की क्षमता बढ़ाने के लिए भारी निवेश की आवश्यकता है, जिससे भारत की शिक्षा प्रणाली में सुधार हो सके।

इस प्रकार, शिक्षा गरीबी उन्मूलन और सतत विकास के लिए एक अनिवार्य साधन है। यह व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर विकास को संभव बनाता है, जिससे एक समृद्ध, स्वस्थ और संतुलित समाज की नींव रखी जा सकती है। शिक्षा के माध्यम से, व्यक्ति न केवल अपने जीवन में सुधार कर सकते हैं, बल्कि वे समाज के लिए भी उपयोगी और जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं।

दूसरी बात यह है कि शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहते हैं और समाज में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के प्रति संवेदनशील होते हैं। इस प्रकार वे न केवल अपने लिए बल्कि समाज के अन्य वर्गों के लिए भी बेहतर परिस्थितियाँ बनाने में योगदान देते हैं।

तीसरी बात यह है कि शिक्षा सामाजिक असमानताओं को कम करने में मदद करती है। उच्च गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा प्राप्त कर लेने पर सभी के लिए समान अवसर प्राप्त होते हैं, चाहे व्यक्ति की आर्थिक या सामाजिक स्थिति कुछ भी हो। इससे समाज में व्याप्त जातिगत, लैंगिक और आर्थिक भेदभाव को कम करने में मदद मिलती है, और सभी वर्गों के लोगों को उनकी प्रतिभा और क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने का मौका मिलता है। स्वाभाविक है कि जब व्यक्ति, परिवार, व समाज उन्नति करते हैं तो राष्ट्र उन्नति करता है।

अंततः, शिक्षा व्यक्तियों को नई तकनीकों और विचारों को अपनाने के लिए प्रेरित करती है, जो आर्थिक विकास और सामाजिक परिवर्तन के लिए अनिवार्य हैं। इस प्रकार, शिक्षा गरीबी उन्मूलन के साथ-साथ सतत विकास के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है, जिससे न केवल व्यक्तिगत जीवन में सुधार होता है, अपितु समाज के हर क्षेत्र में प्रगति सुनिश्चित होती है। इसलिए, यह आवश्यक है कि शिक्षा को हर स्तर पर प्रोत्साहित किया जाए और इसे सभी के लिए सुलभ बनाया जाए। इसके माध्यम से हम एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो न केवल अधिक जागरूक और शिक्षित हो, बल्कि अधिक समृद्ध और समानता युक्त हो।

शिक्षा के महत्व को समझने और इसे व्यापक रूप से लागू करने के लिए, सरकारों, समुदायों और व्यक्तियों का सामूहिक प्रयास आवश्यक है। यह सहयोग न केवल शैक्षिक अवसरों को बढ़ाएगा बल्कि एक ऐसा वातावरण भी तैयार करेगा जहाँ हर व्यक्ति अपनी पूर्ण क्षमता तक पहुँच सके। इस प्रक्रिया से शिक्षा गरीबी उन्मूलन और सतत विकास के लिए एक महत्वपूर्ण साधन बन सकती है। इसलिए, शिक्षा को समाज के समग्र विकास के लिए एक प्राथमिकता के रूप में देखा जाना चाहिए।

यहाँ कुछ बातें ध्यान रखना आवश्यक है। शिक्षा के माध्यम से कौशल को बढ़ावा देना होगा। शिक्षा का अर्थ रट्टामार ज्ञान या रोट-लर्निंग नहीं, विश्लेषणात्मक समझ का विकास है। शिक्षा कौशल का मूल है। अगर कौशल विकास नहीं हुआ तो वह शिक्षा, शिक्षा नहीं है। अगर कौशल नहीं है तो डिग्रियां सिर्फ कागज का टुकड़ा हैं। लेकिन, जैसा कि हम पूर्व में बता चुके हैं कि गरीबी दूर करने में व्यक्ति को शिक्षित होने के साथ स्वस्थ भी होना चाहिए और वहां के समाज और प्रशासन व्यवस्था में शांति होनी चाहिए तथा बढ़िया पर्यावरण संरक्षण होना भी आवश्यक है। इन चारों को बहुत व्यापक अर्थ में समझना आवश्यक है।

इस प्रकार, शिक्षा गरीबी उन्मूलन और सतत विकास के लिए एक अनिवार्य साधन है। यह व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर विकास को संभव बनाता है, जिससे एक समृद्ध, स्वस्थ और संतुलित समाज की नींव रखी जा सकती है। शिक्षा के माध्यम से, व्यक्ति न केवल अपने जीवन में सुधार कर सकते हैं, बल्कि वे समाज के लिए भी उपयोगी और जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं। इसलिए, यह आवश्यक है कि सरकारें और समाज के सभी वर्ग शिक्षा को प्राथमिकता दें और इसे सुलभ बनाने के लिए आवश्यक संसाधनों का निवेश करें।

गरीबी एक ऐसा अभिशाप है जो न केवल व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि पूरे समाज की प्रगति को भी रोकता है। इसके चंगुल से मुक्ति पाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण चार महत्वपूर्ण स्तंभ हैं जो न केवल व्यक्तिगत और पारिवारिक अपितु सामाजिक और राष्ट्रीय उत्थान में सहायक हैं। यदि भारत के गावों में रहने वाले अति-गरीब की किस्मत बदलनी है तो उस परिवार के बच्चों की शिक्षा के लिए गाँव-गाँव उच्चकोटि के शिक्षक नियुक्त करने होंगे, समाज के लोगों को शिक्षक का सम्मान करना होगा, तभी शिक्षक उन बच्चों के दिल में परिवर्तन के लिए अपने उच्च विचारों की चिंगारी से जलती हुई आग पैदा करेगा। गरीबी से बाहर निकालने के लिए परिवर्तन की आग और उस आग को सदा जीवित रखने के लिए समाज द्वारा सम्मानित और उच्चकोटि के शिक्षकों द्वारा दिया ज्ञान ही यह परिवर्तन ला सकता है। तमाम बाकी उपाय आज तक असफल रहे हैं। चंद हजार की चाकरी में उच्चकोटि के शिक्षक नहीं पैदा किये जा सकते। दैनिक मजदूरी की दरों में संविदा कर्मी मिलते हैं, शिक्षक नहीं।

ऐसे शिक्षक जो अपने ज्ञान और उत्साह से बच्चों के दिलों में नई उम्मीद और सपने जगा सकें, वे गरीबी की जंजीरों को तोड़ने में मददगार सिद्ध हो सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि समाज भी शिक्षकों का सम्मान करे। शिक्षकों को सम्मान देना उन्हें प्रेरित करता है और उनके कार्य में गुणवत्ता लाता है। जब समाज शिक्षकों को उचित सम्मान देता है, तो शिक्षक भी अपने कार्य को और अधिक जिम्मेदारी और निष्ठा से निभाने का प्रयास करते हैं।

अंत में, यह समझना महत्वपूर्ण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के संयोजन से ही गरीबी के गहरे अभिशाप को मिटाया जा सकता है। दुनिया में शायद ही कोई समाज ऐसा हो जो शिक्षित होकर भी गरीब हो। इसलिए, भारत के प्रत्येक बच्चे को उच्चकोटि की शिक्षा प्रदान करना न केवल आवश्यक है बल्कि यह भारत को डेमोग्राफिक डिविडेंड का लाभ उठाने में सक्षम बनाएगा। गरीबी की भयावह और विकट परिस्थितियों को सकारात्मकता में बदलने की क्षमता हम सभी के भीतर है, बशर्ते हमारे हृदय में उस परिवर्तन की आग धधक रही हो। हालांकि, इस आग को संभालने के लिए सत्यनिष्ठा, आत्म-नियंत्रण, करुणा और परोपकार जैसे मानवीय गुण अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि इनके बिना, यही आग हमें भस्म कर सकती है। इस प्रकार, हमें स्वयं के साथ समग्र समाज को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाने के लिए इन मूल्यों को भी अपनाना होगा। शिक्षा मानव को सामर्थ्य प्रदान करती है, जिससे उनमें समर्थता आती है और यह समर्थता उन्हें निर्भय बनाती है, जिससे वे समाज में सशक्त रूप से उभरते और उन्नति करते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

समृद्ध और विकसित भारत का बजट

सतीश पूनिया

केंद्र सरकार ने वर्ष 2024-25 के बजट में विकसित भारत की रूपरेखा तैयार की है। यह बजट विकसित भारत के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिसकी तैयारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनावों से बहुत पहले ही कर दी थी। देश की आर्थिक प्रगति के लिए यह बजट ग्रोथ इंजन का काम करने वाला है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में देश के सभी सैक्टर, और सभी वर्गों का ध्यान रखा है। वित्त मंत्री ने वेतन भोगियों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, छात्रों के लिए कई घोषणाएं की हैं। सही मायने में यह सर्वस्पर्शी और समावेशी बजट है। वित्त मंत्री ने बजट में नौ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर फोकस किया है। इनमें कृषि में उत्पादकता और लचीलापन, रोजगार और कौशल, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचा, नवाचार, अनुसंधान और विकास तथा अगली पीढ़ी के सुधार जैसे महत्वपूर्ण सैक्टर शामिल हैं। इनमें आवंटित बजट से आगामी वर्षों में होने वाले कार्यों से विकसित भारत की तस्वीर उभरने लगेगी।

देश में रोजगार और काम की तलाश के लिए संघर्षरत युवाओं के लिए बजट में सात बड़ी घोषणाएं की गई हैं। मोदी सरकार ने रोजगार और कौशल विकास जैसे सैक्टर के लिए एक लाख अड़तालीस हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। रोजगार से संबंधित प्रोत्साहन योजनाओं से अगले पांच साल में चार करोड़ से ज्यादा युवाओं को नौकरी, कौशल विकास या फिर अन्य अवसर उपलब्ध करवाएं जाएंगे। इससे बड़ी संख्या में युवा शक्ति को काम मिलेगा। भारत की आर्थिक प्रगति में मध्यम आय वर्ग की बड़ी भूमिका रहती है। मध्यम आय वर्ग को आयकर में छूट देकर राहत देने का काम किया है। इससे मध्यम आय वर्ग की जेब में बचा पैसा देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में एक संवाहक का काम करेगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 29 जनवरी 1962 में एक लेख में खेती के बारे में लिखा था कि "देश के आर्थिक विकास का आधार खेती है। क्योंकि भारत में 72 फ़ीसदी जनसंख्या की आय का मुख्य स्त्रोत खेती ही है और राष्ट्रीय आय का आधा हिस्सा खेती से आता है। इस कारण खेती को पहली प्राथमिकता दी जानी चाहिए।" पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अनुयायी भारतीय जनता पार्टी के लिए खेती और कृषि हमेशा प्राथमिकता में रहे हैं।

इस बजट में भी कृषि और किसानों पर विशेष फोकस रहा है। कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने डेढ़ लाख करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया है। खेती में इनोवेटिव टेक्नोलॉजी, प्राकृतिक खेती और मौसम के अनुकूल फसलों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। बजट में ऐलान किया गया है कि अगले दो साल में एक करोड़ किसानों की प्राकृतिक खेती में मदद की जाएगी। सरकार दलहन और तिलहन के लिए मिशन की शुरुआत करेगी। सरकार इन नकदी फसलों के उत्पादन और मार्केटिंग तंत्र को मजबूत कर उत्पादकों को मजबूत करने का काम करेगी। मोदी सरकार हमेशा से कृषि क्षेत्र में नवाचार का समर्थक रही है। इस बजट में भी खेती के लिए डिजिटल सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की बात कही गई है। अक्सर मौसम की मार झेलने को अभिशिप्त किसानों को मौसम का पूर्वानुमान, फसल संबंधी सलाह और बाजार में चल रही कीमतों के बारे में किसानों को अपडेट मिल सकेगा। देशभर के छह करोड़ किसानों की जमीनों का रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त चार सौ जिलों में फसलों का डिजिटल सर्वे भी किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार ने कृषि बजट बढ़ाकर इस साल कृषि और संबद्ध क्षेत्र के लिए 1.52 लाख करोड़ का प्रावधान रखा है, जो मोदी सरकार का किसानों के प्रति समर्पण मजबूती से स्थापित करता है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार से लेकर और अब पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड स्कीम को मजबूती देकर देश के करोड़ों किसानों को संबल दिया है, अब इसी क्रम में पांच राज्यों में नए किसान क्रेडिट कार्ड भी जारी किए जाएंगे जो अन्नदाता किसान को एक बड़ी ताकत देने का काम होगा। महात्मा गांधी कहते थे भारत की आत्मा गांवों में बसती है।

जब तक गांवों को मजबूत नहीं किया जाएगा, देश का उन्नयन संभव नहीं है। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर मोदी सरकार पिछले दस वर्षों से लगातार काम कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी या इंटरनेट सुविधाओं के विस्तार की बात हो, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए मोदी सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किया है। इस बजट में भी देश के पच्चीस हजार गांवों को हर मौसम के अनुकूल ऑल वेदर रोड के नेटवर्क का प्रावधान किया गया है। इसमें पच्चीस हजार ग्रामीण बस्तियों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए ऑल वेदर रोड के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के नए चौथे चरण की शुरूआत की जाएगी।

इसके अलावा गांव और गरीबों से जुड़ी पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, मनरेगा, ग्राम स्वराज अभियान, जल जीवन मिशन, पीएम किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत मिशन, सामाजिक न्याय और यूरिया सब्सिडी जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं पर दस लाख 76 लाख करोड़ रुपए खर्च करने का प्रावधान किया है। गरीब कल्याण अन्न योजना को एनडीए सरकार ने फिर अगले पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवंटन 35.36 प्रतिशत बढ़ाकर मोदी सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि हर घर विहीन नागरिक को घर उपलब्ध करवाना उनकी प्राथमिकता में है। भाजपा नीत केंद्र सरकार शहरों में आर्थिक तौर पर कमजोर और मध्यम वर्ग के लिए घर खरीदने में सहायता देकर उन्हें आवास उपलब्ध करवाने में मदद कर रही है। वित्त मंत्री ने घोषणा की है कि पीएम आवास योजना अर्बन के अंतर्गत अगले पांच साल में दस लाख करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। केंद्र सरकार ने योजना के दूसरे चरण में अगले पांच साल में एक करोड़ शहरी गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को घर मुहैया करवाने का लक्ष्य रखा है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के साथ उनके सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया है। वित्त मंत्री ने महिलाओं और लड़कियों के लिए तीन लाख करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार का जोर महिलाओं को विशेष स्किल में प्रशिक्षित करना है। इसके लिए देश की इंडस्ट्री के साथ मिलकर महिलाओं के कौशल विकास के लिए स्किलिंग कार्यक्रम चलाए जाने की घोषणा की गई है। महिला स्वयं सहायता समूहों को उत्पादों को बाजार उपलब्ध करवाने में भी सहायता की जाएगी। इससे देश की नारी शक्ति को बल मिलेगा और देश की अर्थव्यवस्था की गति को और ताकत मिलेगी। भारत में रोजगार उपलब्ध करवाने में छोटे तथा मझौले उद्यमों का बड़ा योगदान रहा है। देश की जीडीपी में इस सैक्टर की भागीदारी एक तिहाई से ज्यादा है। ट्रेड और मैन्युफैक्चरिंग में बड़ी संख्या में एमएसएमई सैक्टर रोजगार उपलब्ध करवाते हैं। वित्त मंत्री ने देश में तीस लाख नए रोजगार के लिए एमएसएमई सैक्टर को ग्रोथ इंजन बनाने की घोषणा की है।

सरकार ने इस सैक्टर की लंबित मांग को पूरा करते हुए ऋण सीमा सौ करोड़ रुपए तक करने की घोषणा की है। गौरतलब है कि एमएसएमई सैक्टर में देश में सवा तीन करोड़ से ज्यादा महिलाओं को रोजगार मिला हुआ है। वर्ष 2025 तक पांच करोड़ महिलाओं को एमएसएमई से जोड़ने के लक्ष्य पर सरकार काम कर रही है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह सरकार का मजबूत कदम है। एक समय था जब युवा कोई स्टार्टअप शुरु करने से पहले यह सोचता था कि उसके लिए फंड कहां से जुटेगा। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्टार्टअप योजना के बाद देश में स्टार्टअप के लिए फंड जुटाना बहुत आसान हो गया है।

देश में अप्रैल 2024 तक एक लाख 27 हजार स्टार्ट-अप कार्य कर रहे हैं। स्टार्टअप को और गति देने के उद्देश्य से बजट में एनडीए सरकार ने एंजल टैक्स हटाने की घोषणा की है। इस टैक्स के हटने से स्टार्टअप नवाचारों पर ज्यादा खर्च कर सकेंगे, उन्हें फंड जुटाना भी आसान होगा और देश में स्टार्टअप के इकोसिस्टम को बढ़ावा मिलेगा। निश्चित ही भाजपा नीत एनडीए सरकार का यह बजट देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति के नए मानक स्थापित करेगा। बजट से युवा, मध्यम वर्ग, किसान, महिलाओं की उन्नति के साथ देश के आधारभूत ढांचे और उद्योग तंत्र को नया बल मिलेगा।

(लेखक भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं)

–डॉ. सतीश पूनिया,
(भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष)

भामाशाह ने भौनावास पी.एस.सी. की दशा सुधारी

15 लाख की लागत के मेडीकल उपकरण व अस्पताल में कराया विकास कार्य

पावटा, (निसं)। राजकीय अस्पतालों का नाम सामने आते ही टूटी-फूटी बिल्डिंग, फर्नीचर का अभाव और दवाइयों की कमी की तस्वीर उभरती है। लेकिन पावटा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत भौनावास में एक ऐसा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी है जहां न केवल शानदार भवन और फर्नीचर है बल्कि निजी चिकित्सालयों जैसी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं।

यह तस्वीर पीएचसी का सबसे बड़ा भवन भौनावास प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की है। जिसका श्रेय भामाशाह सेठ विशंभर दयाल को जाता है। जिन्होंने 35 साल पहले सरकार राजकीय अस्पताल के लिए न केवल जमीन दी बल्कि 24 बड़े कमरों का दो मंजिला भवन बना कर दिया। जिसमें दो बडे वार्ड व साथी डॉक्टर के लिए अलग से क्वार्टर भी बनाकर दिये गए हैं। समय-समय पर भवन का रख रखाव रंग रोगन भी भामाशाह परिवार द्वारा करवाया जाता है।

भौनावास का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र किसी प्राईवेट अस्पताल से कम नहीं है।

पूर्व सरपंच राजपाल सिंह शेखावत ने बताया कि भामाशाह सेठ के सुपुत्र श्यामसुंदर एंड कंपनी व भाई 15 लाख रुपए की लागत से अभी आठ बेड, आठ लॉकर, दो कंप्यूटर, दो एसी, पूरे परिसर में इंटरलॉक टाइल, पूरे परिसर का मरमत व रंग रोगन करवाइए करवाई है। सरपंच रेवती कंवर, डॉ. विजय यादव, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर कैलाश यादव, महेश, ममता, देवेंद्र, रामनिवास, अजय, किशोरी, मुकेश, सरोज समेत ग्रामीणों ने भामाशाह परिवार को धन्यवाद दिया ।

बिजली कर्मचारी ने घायल मोर की जान बचाई

सांभरझील, (निसं)। जी.एस.एस. के नजदीक 11 केवी लाइन पर बैठा मोर करंट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद निगम के गार्ड राजेंद्र कुमार मीणा व विद्युतकर्मी टीकमचंद कुमावत धड़ाम की आवाज सुनकर तत्परता से दौड़े और घायल मोर को संभाला। अपने स्तर से जो भी प्रयास थे करके मोर की जान बचाई। बताया कि यह मोर काफी देर से विद्युत लाइन पर बैठा हुआ था

और वहां से उड़ने के लिए जैसे ही उसने पंख फैलाए पंख का हिस्सा दूसरे तार से टच कर गया और करंट के कारण उसका पांव डैमेज हो गया।

सांभर में करंट से घायल राष्ट्रीय पक्षी मोर की बिजली कर्मचारी ने जान बचाई।

इनकी ओर से वन विभाग के श्यामश्री शर्मा को सूचना दी तो उन्होंने एनजीओ से बात करके कुछ सदस्यों को सांभर भिजवाया। इसकी सूचना पुलिस को भी दी गई थी।

एनिमल रेस्क्यू टीम के सदस्य रोशन कुमावत, श्याम सिंह, पिंटू कुमावत, श्याम सुंदर जांगिड़, राधे दायमा, एनिमल वेलफेयर संस्था अध्यक्ष रोशन कुमावत, सदस्य हेमंत (टोनी) मौके पर मौजूद रहे और घायल पक्षी का प्राथमिक उपचार कर वन विभाग की नर्सरी पहुंचाया।

राशिफल रविवार 28 जुलाई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, अश्विनी नक्षत्र दिन 11:48 तक, शूल योग रात्रि 8:11 तक, बालव करण प्रातः 8:24 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-मेष, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 11:48 तक है। आज कालाष्टमी, वन महोत्सव दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:33 से 9:13 तक, लाभ-अमृत 9:13 से 12:33 तक, शुभ 2:13 से 3:33 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:53, सूर्यास्त 7:13

मेष
अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा।

सिंह
शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। मन में असंतोष बना रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। परिवार में आपसी अनबन, वाद-विवाद बढ़ सकते हैं।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मिथुन
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित धन प्राप्त होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मुलाकात हो सकती है।